आजीविका
(विशेष परियोजना)

(आरोह फाउंडेशन द्वारा संचालित, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की योजना)

गरीबी रेखा के नीचे युवक-युवतियों के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

अंक-02, संस्करण 02- मई 2014

आरोह-आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर वितरित किया गया प्रमाणपत्र

350 लाभार्थियों को मिला प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र

टीकमगढ़, छतरपुर, और जालौन जिले में संचालित केन्द्रों पर वितरित किया गया प्रमाणपत्र

आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना) प्रशिक्षण केन्द्र से एमएसटी, सेल्स–रिटेल और आईटीईएस ट्रेड में 3 माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि महेश प्रसाद यादव (ग्राम प्रधान, मेमन पंचायत) ने लाभार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। छतरपुर जिले में दो विभिन्न जगहों पर संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रमाणपत्र वितरण के साथ ही लाभार्थियों को रोजगार से जुड़ने के अवसर के बारे में जानकारी दी गई। स्थानीय स्तर पर और दिल्ली – एनसीआर में रोजगार करने के इच्छुक लाभार्थियों को वहां

बिजावर आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रशिक्षण प्रमाणपत्र के साथ लाभार्थी

के बेहतर रोजगार अवसरों के बारे में भी जानकारी दी गई। जालौन जिले के कोंच व ऐट ब्लॉक में संचालित प्रशिक्षण केन्द्र से एम. एस.टी और सेल्स व रिटेल ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

प्रमाणपत्र वितरण के साथ सभी केन्द्रों पर लाभार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसमें प्रशिक्षण से जुड़े सभी लाभार्थी अपने अभिभावक के साथ कार्यशाला में हिस्सा लेने पहुंचे। लाभार्थियों को स्थानीय स्तर पर व दिल्ली एनसीआर में रोजगार के अवसर के बारे में बताया गया साथ ही कार्यशाला में मौजूद अभिभावकों को रोजगार के महत्व के बारे में समझाया गया जिससे वे अपने बच्चों को रोजगार पर भेज सके। रोजगार पर लगने के बाद व कार्यस्थल पर लाभार्थियों को दी जाने वाली सुविधा के बारे में बताते हुए कोंच के सेंटर संचालक . शहदाब अहमद ने बताया कि – "रोजगार से जुड़ने वाले सभी लाभार्थियों को अच्छी कंपनी में नौकरी दिलवाई जाएगी व उनको वेतन के साथ ही पीएफ और ईएसआई की भी सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही आरोह फाउंडेशन द्वारा 2 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाएगी।"

ऐट प्रशिक्षण केन्द्र पर लाभार्थी को प्रमाणपत्र वितरित करते मुख्य अतिथि डॉ. दास

इस अंक में

- *आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर वितरित किया गया प्रमाणपत्र*
- *अतिथि शिक्षकों से लाभार्थियों ने सीखे आगे बढ़ने के गुण*
- *लाभार्थियों का एक्सपोजर विजिट*
- *मजदूर दिवस पर कार्यशाला का आयोजन*
- *रोजगार के लिए चयन*
- *लाभार्थी की कलम से – सूरज कुशवाहा, स्वाती गौतम व सरोज नाई*
- *मीडिया में आरोह–आजीविका*

अतिथि शिक्षकों से लाभार्थियों ने सीखे आगे बढ़ने के गुण

आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना) के जरिए बुंदेलखंड, बिहार और झारखंड के चयनित जिलों में संचालित प्रशिक्षण केन्द्र पर लाभार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। छतरपुर जिले के बिजावर में 6 मई को मल्टी स्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लाभार्थियों को इंडस्ट्री के बारे में बेहतर जानकारी देने के लिए इंडस्ट्री एक्सपर्ट विनोद गुप्ता ने लाभार्थियों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों के जवाब दिए और लगन से प्रशिक्षण प्राप्त करने व रोजगार से जुड़ने की बात कही। सागर जिले के जेरूआखेड़ा में संचालित प्रशिक्षण केन्द्र पर गेस्ट टीचर के तौर पर श्री अरूण कुमार (रिटा. इलेक्ट्रॉनिक ऑटोमोबाइल इंजीनियर, इंडियन एयर फोर्स) ने लाभार्थियों को मशीनी तकनीक व उनके रखरखाव व इस्तेमाल के बारे में समझाया। लाभार्थियों के अन्दर सीखने की ललक व आरोह फाउंडेशन के कार्य की सराहना

गिरिडीह केन्द्र पर लाभार्थियों को प्रशिक्षण देते अतिथि शिक्षक श्री विनोद यादव

करते हुए उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी लाभार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। झारखंड के गिरिडीह और धनबाद जिले में संचालित केन्द्रों पर भी गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। धनबाद स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर हॉस्पिटैलिटी ट्रेड के लाभार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए यार्क रेस्टोरेन्ट एण्ड बार, धनबाद के एचआर मैनेजर विनोद रॉय ने लाभार्थियों को समझाते हुए कहा कि– "सभी लाभार्थियों को केन्द्र पर पढ़ाई जाने वाली बातों पर गौर करना चाहिए और उन बातों पर अमल भी करना चाहिए। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में वही लोग आगे बढ़ सकते हैं जो शालीन हो। इसके साथ ही उन्होंने बात–व्यवहार और कपड़े पहनने के तरीके भी बताए।" वहीं गिरिडीह जिले में संचालित केन्द्र पर मल्टी स्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लाभार्थियो को मशीनों की तकनीक के बारे में बेहतर जानकारी देने के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज, गिरिडीह के शिक्षक के जरिए लाभार्थियों को जानकारी दी गई।

लाभार्थियों का एक्सपोजर विजिट

हजारीबाग, गिरिडीह, सागर और छतरपुर जिले में संचालित आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर हॉस्पिटैलिटी, मल्टी स्किल्ड तकनीशियन और सेल्स–रिटेल ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का एक्सपोजर विजिट कराया गया। प्रशिक्षण केन्द्र पर लाभार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यवहारिक और प्रैक्टिकल ज्ञान भी दिया जाता है। इसी क्रम में हजारीबाग जिले में 21 और 22 मई को आयोजित विजिट के दौरान हॉस्पिटैलिटी ट्रेड के लाभार्थियों को होटल एवीएन ग्रांड, रांची में विजिट कराई गई व सेल्स–रिटेल ट्रेड के लाभार्थियों को विशाल मेगा मार्ट में विजिट कराई गई। गिरीडीह जिले के हॉस्पिटैलिटी ट्रेड के लाभार्थियों को आम्रपाली क्लार्क होटल, देवघर में विजिट कराई गई। वहीं सेल्स–रिटेल ट्रेड के लाभार्थियों को बिग बाजार देवघर में विजिट कराई गई। छतरपुर और सागर जिले के जेरूआखेड़ा में संचालित प्रशिक्षण केन्द्र के सेल्स–रिटेल ट्रेड के लाभार्थियों को एक्सपोजर विजिट कराया गया। छतरपुर जिले के बिजावर में संचालित प्रशिक्षण केन्द्र पर एमएसटी ट्रेड के लाभार्थियों का एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य लाभार्थियों के अन्दर कौशल वृद्धि करने व उन्हें सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ ही प्रयोगात्मक ज्ञान भी देना था। इस एक्सपोजर विजिट के जरिए लाभार्थियों को खराद मशीन, ड्रिल मशीन, आकृति मशीन, चक्की मशीन व इलेक्ट्रानिक मशीनों के संचालन व उसके रखरखाव के बारे में बताया गया। एक्सपोजर विजिट के बाद लाभार्थियों ने खुशी जाहिर की।

एक्सपोज़र विजिट के दौरान खूशी जाहिर करते . गिरिडीह केन्द्र के लाभार्थी

मजदूर दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

झारखंड के गिरिडीह में चलाए जा रहे आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना) प्रशिक्षण केन्द्र पर 1 मई को मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में लाभार्थियों को जागरूक करते हुए हॉस्पिटैलिटी ट्रेड के ट्रेनर उदय शंकर शाही ने बताया कि– "आप सभी लोगों को सबसे पहले अपने अधिकारों को समझना होगा। आप लोग जिस भी कंपनी में रोजगार करेंगे वहां पर

मजदूर दिवस के अवसर पर कैंडिल मार्च निकालते आरोह–आजीविका लाभार्थी

चिकित्सा सुविधा, भविष्य निधि, छुट्टियों की नीति, ओवरटाइम की नीति और संस्थान में कार्य से संबंधित जानकारियों का पूरा विवरण प्राप्त करेंगे। ऐसा करने से कार्यस्थल पर आपका शोषण नहीं हो सकता।" लाभार्थियों को संबोधित करने के बाद केन्द्र पर कैंडिल मार्च भी निकाला गया। इस कैंडिल मार्च का मुख्य उद्देश्य यह था कि किसी भी लाभार्थी का कार्यस्थल पर शोषण ना हो और उससे कंपनी की नितियों के अनुसार काम भी लिया जाए। इस कार्यशाला में प्रशिक्षण केन्द्र के सभी प्रशिक्षक और समस्त ट्रेड के लगभग 95 लाभार्थी मौजूद थे।

रोजगार के लिए चयन

आरोह फाउंडेशन द्वारा बुंदेलखंड एवं एलडब्ल्यूई में चयनित जिलों में चलाए जा रहे आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना) प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त ३३. लाभार्थियों को दिल्ली, एनसीआर व स्थानीय स्तर पर रोजगार से जोड़ा गया। दमोह जिले के पथरिया केन्द्र से मल्टी स्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त 15 लाभार्थियों को रेवाड़ी स्थित मिंडा फुरकवा लिमिटेड और यूएफआई फिल्टर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सहायक ऑपरेटर के तौर पर 8152 रुपये मासिक वेतन की नौकरी दिलाई गई। छतरपुर जिले के बिजावर केन्द्र से व झारखंड के गिरीडीह केन्द्र से मल्टी स्किल्ड तकनीशियन ट्रेड के 50 लाभार्थियों को वर्धमान लिमिटेड में नौकरी प्रदान की गई।

प्लेसमेंट के बाद धनबाद प्रशिक्षण केन्द्र के लाभार्थी

लाभार्थी की कलम से

सूरज कुशवाहा जतारा ब्लॉक के सतगांव का रहने वाला है। सूरज के परिवार में कुल 8 सदस्य है जिसमें सूरज सबसे बडा लड़का है और बाकी अन्य भाई–बहन उससे छोटे है, जिसके कारण शुरू से ही उसके ऊपर पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ रहा है। घर की खराब आर्थिक स्थिति के चलते उसने 10वीं तक पढाई की और अपने परिवार की मदद के लिए घर पर कपड़े सिलने लगा जहां से उसे रोजाना 30 से 40 रुपये मिलते थे। उसकी जिदंगी में उम्मीद की किरण तब जागी जब उसे आरोह फाउंडेशन द्वारा चलाये जा रहे आजीविका कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में पता चला। प्रशिक्षण केन्द्र के बारे में जानकारी मिलते ही वह केन्द्र पर आकर मल्टी स्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में अपना नामांकन करवाया और 3 माह का निःशुल्क प्रशिक्षण ले रहा है। सूरज अपनी ट्रेनिंग से बहुत खुश है। सूरज के माता–पिता को भी भरोसा है कि एक दिन उनका बेटा ट्रेनिंग के बाद नौकरी करके अपने परिवार की समस्याओं को दूर करेगा। इस बारे में सूरज कहता है कि उसे अपने ऊपर पूरा भरोसा है कि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उसे किसी अच्छी कंपनी में नौकरी जरूर मिलेगी।

सूरज कुशवाहा
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
टीकमगढ़, मध्यप्रदेश

मेरा नाम स्वाति है। मैं जेरूआखेड़ा, सागर जिले की रहने वाली हूं। मेरे पिता जी खेती करके परिवार का खर्च चलाते हैं। मेरे घर में 7 सदस्य हैं। घर में परिवार के सदस्यों की संख्या ज्यादा होने के कारण घर की आर्थिक स्थिति हर समय बहुत खराब रहती है। मैने इण्टरमीडिएट तक पढ़ाई की है। मेरे पिता जी ने मुझे मजदूरी करके पढ़ाया है। मैं आगे पढ़ाई करना चाहती हूं लेकिन घर की आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण मैं आगे नहीं पढ़ सकती। पिता जी पर परिवार का पूरा बोझ होने के कारण मेरी मां हर वक्त परेशान और रोती रहती है। इस कारण मैं यह सोचती हूं कि जब तक मेरे घर की स्थिति सही नहीं होगी तब तक मैं अपनी शादी नहीं करूंगी। अपने घर की हालत देखकर मैं भी नौकरी करना चाहती हूं। मगर अवसर की तलाश में मैं रोजाना अखबार में नौकरी ढूंढती रहती हूं। एक दिन मुझे आरोह–आजीविका निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र के बारे में अखबार के माध्यम से पता चला। मैं वहां पर सम्पर्क करके योजना के बारे में जानकारी प्राप्त की और अपना दाखिला सेल्स–रिटेल ट्रेड में करवाया। प्रशिक्षण केन्द्र पर ट्रेनिंग के साथ ही नौकरी के लिए भी मार्गदर्शन किया जाता है। मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से प्रशिक्षण लेने के बाद एक दिन अपने पैरों पर खड़ी होकर अपने मां–बाप का सहयोग करूंगी।

स्वाति गौतम
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
जेरूआखेड़ा, सागर, मध्य प्रदेस

सरोज टीकमगढ़ के बैरवार गांव की रहने वाली है। उसकी शादी के 6 साल हो गए है। घर में 3 बच्चे भी है। पति मजदूरी करके परिवार का पेट भरते हैं। घर में आय का स्त्रोत ठीक ना होने से उसके घर में हर वक्त लड़ाई होती रहती थी। घर की आर्थिक स्थिति इतनी बिगड़ चुकी थी कि खाना खाने के लिए घर में पैसे नहीं थे। सरोज ने अपने परिवार की स्थिति और अपने बच्चों की जिन्दगी सुधारने के लिए खुद नौकरी करने का निर्णय लिया। हुनर और अच्छी योग्यता ना होने से वह गांव से बाहर निकलकर रोजगार भी नहीं कर सकती थी। एक दिन उसे आरोह फाउंडेशन द्वारा चलाए जाने वाले आजीविका (विशेष परियोजना) के बारे में पता चला। सरोज प्रशिक्षण केन्द्र पर अपने सभी दस्तावेजों के साथ आकर मल्टी स्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में अपना दाखिला करवाया। सरोज अब प्रशिक्षण केन्द्र पर रोजना ट्रेनिंग लेने आती है। उसका मानना है कि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उसे स्थानीय कंपनी में नौकरी मिलेगी और वह अपने परिवार की गरीबी दूर कर सकेगी।

सरोज नाई
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
टीकमगढ़, मध्यप्रदेश

कृष्ण क्रान्ति छतरपुर

आरोह फाउण्डेशन ने दिए प्रमाण पत्र

प्रशिक्षण के उपरांत वितरित किए गए प्रमाण-पत्र

सागर। भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही अजीविका विशेष परियोजना को आरोह फाउंडेशन द्वारा संचालित किया जा रहा हैं। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण गरीबी रेखा कार्ड धारक युवक-युवतियों के लिए निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमें अलग अलग व्यवसायिक ट्रेड-बेसिक कम्प्यूटर, रिटेल मार्केट, टेक्निशियन इत्यादि कोर्स में प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक समाप्त होने के बाद छात्र-छात्राओं को जरूआखेड़ा एसबीआई शाखा के प्रबंधक अनिल चौबे के द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सभी लाभार्थियों का उन्होंने मनोबल भी बढ़ाया और कैरियर से संबंधित कई महत्वपूर्ण बाते भी बताई, जिनका पालन करके निश्चित तौर पर सफलता प्राप्त की जा सकती है। इस कार्यक्रम में लगभग सभी लाभार्थियों ने भाग लिया और सेंटर संचालक लक्ष्मण साहू, ट्रेनर पुष्पेंद्र ठाकुर, ओम प्रकाश साहू भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि आरोह फाउंडेशन नोएडा उत्तर प्रदेश पर आधारित समाज सेवी संस्था है जो लगभग 10 वर्षों से समाज के उत्थान और विकास के लिए अपनी पूर्ण समर्पण भावना के साथ कार्यरत हैं।

भास्कर टीकमगढ़ शनिवार

प्रशिक्षण के बाद बांटे प्रमाण पत्र

टीकमगढ़। रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद छात्रों को आरोह फाउंडेशन द्वारा प्रमाण पत्र बांटे गए। प्रशिक्षण केंद्र के सेंटर इंचार्ज सुधाकर मिश्र ने बताया कि केंद्र शासन की योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवकों को संस्था द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है। समापन पर छात्रों को प्रशिक्षण संबंधी प्रमाण पत्र बांटे गए। जिससे प्रमाण पत्रों के आधार पर बेरोजगार युवकों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। कार्यक्रम में उपस्थित मामौन सरपंच महेश

आरोह फाऊंडेशन संस्था में प्रमाण पत्र वितरण समारोह

बिजावर एजेंसी। आरोह फाऊंडेशन सेंटर में प्रशिक्षण के उपरान्त टेक्नीशियनों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया समारोह में पधारे मुख्य अतिथि के.एस.सी. कम्प्यूटर एकेडमी के डायरेक्टर एवं एडवोकेट असलम खान द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया श्री असलम ने अपने उद्बोधन में कहा कि आरोह फाऊंडेशन नगर में अच्छा कार्य कर रही है युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में यह एक बेहतर मौका है एवं उन्होंने सभी छात्र/छात्राओं से कैरियर संबंधी समस्त प्रकार के मार्गदर्शन करते रहने का भी वादा किया कार्यक्रम में प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर श्री अर्जुन आलम ने भी छात्र/छात्राओं को संबोधित किया संस्था स्टाफ पुरन सिंह परमार एवं मनोज खरे आदि भी उपस्थित रहे।

मीडिया में आरोह-आजीविका (विशेष परियोजना)

सागर

4 प्रदेश टुडे मंगलवार, 20 मई 2014

प्रशिक्षण के उपरांत वितरित किए गए प्रमाण-पत्र

सागर। भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही अजीविका विशेष परियोजना को आरोह फाउंडेशन द्वारा संचालित किया जा रहा हैं। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण गरीबी रेखा कार्ड धारक युवक-युवतियों के लिए निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमें अलग अलग व्यवसायिक ट्रेड-बेसिक कम्प्यूटर, रिटेल मार्केट, टेक्निशियन इत्यादि कोर्स में प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक समाप्त होने के बाद छात्र-छात्राओं को जरूआखेड़ा एसबीआई शाखा के प्रबंधक अनिल चौबे के द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सभी लाभार्थियों का उन्होंने मनोबल भी बढ़ाया और कैरियर से संबंधित कई महत्वपूर्ण बाते भी बताई, जिनका पालन करके निश्चित तौर पर सफलता प्राप्त की जा सकती है। इस कार्यक्रम में लगभग सभी लाभार्थियों ने भाग लिया और सेंटर संचालक लक्ष्मण साहू, ट्रेनर पुष्पेंद्र ठाकुर, ओम प्रकाश साहू भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि आरोह फाउंडेशन नोएडा उत्तर प्रदेश पर आधारित समाज सेवी संस्था है जो लगभग 10 वर्षों से समाज के उत्थान और विकास के लिए अपनी पूर्ण समर्पण भावना के साथ कार्यरत हैं।

अपीलः

सभी ग्राम प्रधान, बीडीओ, डीआरडीए, और सम्मानीय अधिकारियों से निवेदन है कि इस कार्यक्रम के तहत आप हमारा पूरा सहयोग करें। जिससे हम इस योजना का लाभ सही और जरूरतमंद लोगों तक पहुँचा सकें। धन्यवाद!

Published by AROH Founadation | F 52, Sector 8, NOIDA 201301 | www.aroh.in | arohfoundation@gmail.com | 0120-432802-08

इस संस्करण के बारे में अपनी शिकायतें एवं सुझाव कृपया sgsyspnl.aroh@gmail.com पर भेजें अथवा 0120–4328402–04 पर संपर्क करें।